**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Need to enact necessary laws to curb air pollution-laid.

**श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल):** हम सभी जानते हैं कि हर साल दीवाली में वायु प्रदूषण चरम पर पहुंच जाता है । एक तरफ पटाखों को धुआं होता है तो दूसरी तरफ खेतों में अलाव द्वारा जलाने से पैदा हुआ धुआं, पिछले साल ही सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी में पटाखों की बिक्री पर रोक तो लगा दी थी लेकिन दिल्ली से लगे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के इलाकों में अलाव जलाने का काम जारी रहने से दिल्ली शहर दुनिया की सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण वाली राजधानी बन गई । स्वयं सुप्रीम कोर्ट को इस विषय में संज्ञान लेकर तीनो राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब कर तुरन्त कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए । हर बार सर्दियों में दिल्ली भयंकर वायु प्रदूषण का सामना करती है । जिसके कारण बुजुर्गो, बच्चों और अस्थमा के रोगियों को सांस लेने में तकलीफ होती है और इसके कारण कई व्यक्तियों की मृत्यु तक हो जाती है ।

सरकार हर साल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए दिल्ली के कोयले से चलने वाले पावर प्लांट को कुछ समय तक बंद करने का फैसला लेती रही है । जिसको देखते हुए दिल्ली में सभी तरह के निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी थी और दिल्ली सहित इसके आसपास के इलाकों में विद्यालयों तक को बंद करना पड़ गया था इन सब बातों को देखते हुए हम दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर हालात को समझ सकते हैं । अमेरिका के दो हेल्थ रिसर्च इंस्टीटयूटों के मुताबिक भारत में वायु प्रदूषण के कारणों हर साल लाखों लोग अकाल मौत मर रहे हैं । मेरा सरकार से अनुरोध है कि वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु सरकार आवश्यक कानून बनाये जिससे कि नागरिकों को हम स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकें ।